

Med. d. 23. Ucéval. zu Uradis. 1, 113. — b) ein best. Metrum COLEBR. Misc. Ess. II, 134, a. — Vgl. बलरुड, त्रवारुड, रुड.

रुडक m. ein unfruchtbarer Baum ÇABDAK. im ÇKDr. — Vgl. वरुड. रुडाम्निन् (रुड + अम्नि) adj. nach dem 48sten Jahre sein Weib verlierend: चत्वारिंशद्वत्सराणां साष्टानां च परे यदि । स्त्रिया विपुङ्गते कश्चित्स तु रुडाम्नी मत्तः ॥ BHAVISJJA-P. im UDVĀHAT. ÇKDr.

1. रूय (von रन्) 1) adj. ergötzlich, erfreulich: इन्द्राय सोमो रूयो मदीय RV. 9, 96, 9. प्रजापतिः पृथिवीं रूयो नः कृणोतु AV. 12, 1, 43. — b) kampftüchtig: उमा ते वाहू रूयो मुर्मस्कृता RV. 8, 66, 1. — 2) n. a) Ergötlichkeit, Freude: प्र रूयानि रूयवचो भृते RV. 3, 53, 7. — b) Kampf: मदे सोमस्य रूयानि चक्रिरे RV. 1, 83, 10. यस्य शस्त्रत्पिवा इन्द्र शत्रूनानुकृत्या रूयो चर्कर्य 10, 112, 5.

2. रूय n. von unermittelter Bedeutung und Herkunft: यानि ते ऽत्तः शिक्वाऽन्याबिधुः रूयाय कम् AV. 9, 3, 6.

रूयञ्जित् adj. im Kampfe siegend RV. 9, 59, 1. रूयञ्चिच् adj. erfreulich redend RV. 3, 53, 7. रूय् ergötzen nur in der Stelle: वृक्ष्यतिस्वा सुमे रूयवत् TS. 1, 2, 5, 1. = रमयत् Comm., रूयानु st. dessen VS. रूय् रूयवति (गौ) Duā-TCR. 13, 87. — Vgl. रूयवत्.

रूय (von रन्) adj. (f. स्त्री) behaglich, erfreulich, lieblich; fröhlich, lustig: पुष्टि RV. 1, 63, 5. 2, 4, 4. 6. 24, 11. श्लोक 1, 60, 3. निपत्ता रूयो इन्द्रो 69, 4. रूयः संदृष्टो पितृमो इव तपः 1, 144, 7. 10, 64, 11. 3, 26, 1. सदी रूयः पितृमतीव संसत् 4, 1, 8. 7, 5. 37, 1. 5, 7, 2. रूयः पुरीव ब्रूः 6, 2, 7. 3, 3. 29, 1. 7, 34, 3. नरो न रूयाः सर्वे न मर्ततः 39, 7. 10, 11, 5. 33, 6. 64, 10. आ रूयामो युयुधयो न सर्वे न त्रितं नशत 115, 4.

रूयन् in der Stelle: अत्रत्सारस्य स्पृणवाम् रूयभिः शर्विष्ठं वाडं विडुषा चिदर्थम् RV. 5, 44, 10. रमणीयामिच्छित्तिभिः Śā.

रूयसंदर्भ् adj. lieblich anzuschauen RV. 3, 61, 5. 6, 16, 37. 7, 1, 21. रूयवत् adj. in der Stelle: उपासान्ता व्ययेव रूयवते RV. 2, 3, 6. nach Śā. शब्दिते, स्तुते oder परस्परं गच्छन्त्यौ.

रुत (von रम्) 1) partic. adj. s. u. रम्. — 2) f. स्त्री N. pr. der Mutter des Tages MBu. 1, 2584. — 3) n. a) Liebestust, Liebesgenuss, coitus AK. 2, 7, 56. 3, 4, 18, 124. TRIK. 2, 7, 31. H. 272. 336. MED. I. 30. वाच्यमाभ्यन्तरं चेति द्विविधं रुतमुच्यते । तत्रार्थं चुम्बनाश्लेषनखदत्ततदारिकम् । द्वितीयं सुरतं सात्त्वानाकारिण कल्पितम् । VĀTSĀJANA bei MALLIN. zu KIR. 9, 47. Verz. d. OxI. H. 213, b, 26. चित्ररतानि 29. रतारम्भावसानिकम् und विशेषाः 31. रतोपरमसंसुत R. 5, 14, 11. MEGH. 87. अन्वभूत्यरिजनान्कारुतम् RAGH. 19, 23. 25. 27. Spr. 1883. 2092, v. 1. 3339. VARĀH. BĀH. S. 19, 5 (pl.). रतात् KATHĀS. 19, 30. विपरीत RĀGA-TAR. 3, 372. KAUBAR. 12. VET. 11, 9. कूजित TRIK. 3, 2, 14. H. 1408. HALĀ. 2, 414. Vgl. सु०. — b) die Schamtheile, = गुह्य MED.

रुतकील (रुत coitus + कील) m. Hund H. 1280. रुतगुरु (रुत coitus + गुरु Lehrer) m. Gatte TRIK. 2, 6, 10. रुतस्वर (रुत coitus + स्वर) m. Krähe TRIK. 2, 3, 19. रुततालिनम् m. Wollüstling ÇABDAM. im ÇKDr. रुतताली f. Kupplerin TRIK. 2, 6, 6. रुतनाराच m. H. an. 3, 11 in den drei letzten Bedd. von रुतनारीचः st. स्त्रीणां वशीकृतौ ist wohl स्त्रीणां च शीकृतौ zu lesen.

रुतनारीच m. 1) Wollüstling ÇABDAM. im ÇKDr. — 2) Hund TRIK. 3, 78. MED. K. 21. — 3) der Liebesgott MED. — 4) sonus, quem mulier in coitu edit, TRIK. MED. — Vgl. रुतनाराच.

रुतनिधि (रुत coitus + नि०) m. Bachstelze TRIK. 2, 3, 10. रुतवन्ध m. coitus H. an. 2, 335. रुतार्द्धिक (रुत + ऋद्धि) n. 1) Tag. — 2) ein Bad zum Vergnügen. — 3) eine Gruppe von acht glückbringenden Dingen H. an. 4, 28. MED. K. 209. रुतवन् (von रम्) adj. eine Bildung aus der Wurzel रम् enthaltend: यद्रतवद्यत्पर्यस्तवत् AIR. BR. 3, 1 bezieht sich auf die Worte नकिः सुदासो र्धं पर्याप्तं न रीरमत् RV. 7, 32, 10. Das BRĀHMAṆA und ŚĀ. ziehen पर्याप्तं zu 2. अम्, wir stellen es zu 1. अम्.

रुतव्रण (रुत coitus + व्रण Wunde) m. Hund TRIK. 2, 10, 6. H. 1280. रुतशायिन् (रुत coitus + शा०) m. dass. H. 1280. रुतक्षिपुडक m. Weiberverführer TRIK. 2, 10, 8. H. an. 3, 10. MED. G. 38. रुतान्डुक (रुत coitus + अन्दुक?) m. Hund H. 1280. रुतान्धी f. Nebel TRIK. 1, 1, 88. रुतार्ध (रुत + अर्ध०) m. Hund ÇABDAM. im ÇKDr. रुतार्ध WILSON nach ders. Aut.

रुताम्बुक (?) n. du. die beiden Vertiefungen unmittelbar über den Hüften H. G. 126.

रुतानी (रुत + अयन) f. Hure ÇABDAM. im ÇKDr.

रुतार्थिन् (रुत + अर्ध०) adj. geil, brünstig HALĀ. 2, 330.

रुति (von रम्) f. 1) Rast, Ruhe: इह रुतिरिह रमधम् VS. 8, 51. ÇĀKH.

GĀH. 4, 9. — 2) Lust, Behagen, Gefallen an (loc.); = राग H. an. 2, 190.

MED. I. 49. रुतिर्मनाऽनुकूले ऽर्थे मनसः प्रवणापितम् ŚĀH. D. 207. 206.

H. 72. 293. HALĀ. 1, 91. KATHOP. 1, 28. MAITREJ. 3, 5, 3, 1. M. 1, 25.

उत्तमा 9, 28. एव स्त्रीपुंसयोरुक्ता धर्मो वो रुतिसंहितः 103. MBu. 14, 339.

HARIV. 6733 (wo die neuere Ausg. तेषां रुतिविनाशनम् liest). R. 2, 49, 15

(46, 17 GORR.). 94, 26. 93, 5. R. GORR. 1, 9, 29. 2, 28, 27. fg. 4, 44, 103.

कौरौ व्याधुन्वत्याः पितृभिः रुतिसर्वस्वमधरम् ÇĀK. 22. 34. Spr. 4469. 4834.

मूर्तिमत्यौ रुतिनिर्वृता इव KATHĀS. 16, 123. BHĀG. P. 1, 8, 42. तत्र वासे

MBu. 1, 6130. रूये 9, 1792. VIKR. 105. Spr. 688. 733. सुभृत्येषु 839. 1322.

2279. स्वयोषिति 2773. 4273. श्रीशे भक्तिरती 3094. VARĀH. BĀH. S. 69,

25. KATHĀS. 2, 9. BHĀG. P. 1, 2, 8. 3, 26. 9, 35. 2, 2, 34. 4, 22, 25. fg. MĀRK.

P. 70, 19. VĀRDDHA-KĀṆ. 6, 14. त्यक्तधर्मरुति adj. R. 2, 73, 37. भव० Spr.

571. BHĀG. P. 1, 9, 36. 3, 3, 11. 8, 10. 28, 3. तामुपाश्रय रुतिं चन्द्रार्धचूडा-

मणौ Spr. 2236. रुतिमाप्स्यति ते त्वयि (so die neuere Ausg.) HARIV. 3173.

स्वेषु दारेषु रुतिं नोपलभे R. 5, 22, 30. न रुतिं लेभे KATHĀS. 33, 65. 38, 92.

रुतिं स्वकेषु दारेषु नाधिगच्छामि R. 3, 53, 33. रुतिं न विन्दते रामस्त्रा-

मपश्यन् 5, 32, 38. HARIV. 9217. न शय्यासनभोगेषु रुतिं विन्दति कर्द्धिचित्

MBu. 3, 2107. MĀRK. P. 20, 21. पापे रुतिं मा कृयाः finde keinen Gefallen

an Spr. 1031. 1993. 3083. को न कुर्यात्कारुतिम् BHĀG. P. 1, 2, 15. रुतिं

वप्राति यत्र च Spr. 4823, v. 1. यदा नृपतिसाध्येषु वक्त्रं न रुतिं वाचित्

KATHĀS. 3, 29. 37, 103. MĀRK. P. 62, 9. आत्म० adj. seine Lust habend —,

Gefallen findend an KĪHĀND. Up. 7, 23, 2. MUṆD. Up. 3, 1, 4. BHAG. 3, 17.

अद्यात्मा० adj. M. 6, 49. भार्या० adj. JĀṬN. 1, 121. धर्म० adj. RAGH. 1, 23.

समानयोनि० adj. Spr. 631. वनशीलगोकुल० adj. VARĀH. BĀH. 18, 2. क-

लद० adj. ŚĀH. D. 79. स्वात्मव्रति adj. BHĀG. P. 3, 4, 16. — 3) insbes.